इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतरगत वीयू के शिक्षक एवं छात्र जाएंगे नोवोसिबिर्स्क राज्य कृषि विश्वविद्यालय, रूस

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। कुछ ही वर्षों में, इसके दो–तिहाई नागरिकों की आयु 35 वर्ष से कम होगी, और यह पृथ्वी ग्रह पर सबसे युवा आबादी वाला देश होगा। भारतीय विश्वविद्यालय के छात्रों की वर्तमान पीढ़ी – जो अंग्रेजी में पारंगत है और उद्यमिता, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करती है – तेजी से वैश्विक बाजार के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी।

इसी क्रम में मध्यप्रदेश के नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के यशश्वी कुलपति महोदय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के अथक प्रयासों एवं द्रढ़ संकल्प से शीघ्र ही विश्वविद्यालय के द्वारा चयनित छात्राएं एवं शिक्षक रूस में स्थित नोवोसिबिर्स्क स्टेट कृषि यूनिवर्सिटी के अध्ययन दौरे के लिए रवाना होंगे।

माननीय कुलपति महोदय जी के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य बच्चों को अनुभव प्रदान करना, पाठ्येतर गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तैयार करना है। हमारा इरादा उन्हें शिक्षाविदों से परे मामलों से अवगत कराना है। यह शिक्षा को अधिक समग्र बनाने का हमारा प्रयास है। यूनिवर्सिटी छात्रों के एक्सचेंज प्रोग्राम में दृढ़ विश्वास रखती है। ये एक ऐसी व्यवस्था है जो न सिर्फ छात्रों का शैक्षणिक स्तर पर विकास करती है, बल्कि उन्हें दूसरी संस्कृति को समझने का भी अवसर प्रदान करती है। इससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो पाता है।

नोवोसिबिर्स्क स्टेट कृषि यूनिवर्सिटी रूस के नोवोसिबिर्स्क में स्थित एक सार्वजनिक अनुसंधान विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय की स्थापना 1958 में शिक्षा और विज्ञान के एकीकरण, अनुसंधान गतिविधियों में छात्रों की प्रारंभिक भागीदारी और इसके शिक्षण कार्यक्रमों में अग्रणी वैज्ञानिकों की भागीदारी के सिद्धांतों पर की गई थी।

विदित हो की 15 नवंबर, 2022 को नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (जबलपुर, भारत) में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन और नोवोसिबिर्स्क राज्य कृषि विश्वविद्यालय (नोवोसिबिर्स्क, रूसी संघ) के रेक्टर और वाइस द्वारा छात्रों और शिक्षकों के आदान–प्रदान की प्रक्रिया पर सहमति की गयी थी। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (जबलपुर, भारत) के माननीय कुलपति 4 अगस्त, 2023 को नोवोसिबिर्स्क विश्वविद्यालय के दौरे पर गए एवं प्रोफेसर डॉ. एवगेनी वी. रुडोई के साथ मिलकर इस समझौता ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किये। इस पत्र के अनुसार नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के

निम्नलिखित शिक्षक डॉ. ऐ.पी. सिंह, डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. अपूर्वा मिश्रा एवं छात्राएं डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. इशानी दीक्षित, डॉ. आयुषी चौरसिया 18 अक्टूबर से 7 नवंबर तक 21 दिनों के लिए नोवोसिबिर्स्क राज्य कृषि विश्वविद्यालय रूस में यात्रा करेंगे।

विश्वविद्यालय प्रबंधन मंडल ने हर्ष व्यक्त करते हुए, कुलपति प्रो सीता प्रसाद तिवारी एवं सभी छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विदेशी अध्ययन दौरे का उद्देश्य संक्रामक रोग के खतरों की वैश्विक प्रकृति का वर्णन; पशु और मानव स्वास्थ्य खतरों को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय रूपरेखा; और कुछ वैश्विक बहु–विषयक पहल जिनमें वन हेल्थ और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य शामिल हैं। छात्र यह भी सीखेंगे कि जोखिम मूल्यांकन, जोखिम संचार और प्रस्ताव लेखन जैसे प्रमुख कौशल कैसे लागू करें

अध्ययन दौरे के दौरान समस्त शिक्षक एवं छात्राएं रूस में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी भाग लेंगे एवं विभिन्न विषयो पर व्याख्यान भी देंगे। डॉ. अमिता तिवारी मुर्गी पालन में रोग प्रबंधन रणनीतियाँ, मास्टिटिस, रेबीज़, कुत्तों में क्रोनिक किडनी रोग का उन्नत निदान और चिकित्सीय प्रबंधन एवं पशुओं में हीमोप्रोटोज़ोअन संक्रमण जैसे अति महत्वपूर्ण बिषयो पर व्याख्यान देंगी। डॉ. अपूर्वा मिश्रा छोटे जानवरों में नैदानिक इमेजिंग तकनीक, कंट्रास्ट रेडियोग्राफी, यूएसजी, सीटी स्कैन एवं पशु चिकित्सा पद्धति में पुनर्योजी चिकित्सा पर व्याख्यान देंगी। डॉ. ऐ.पी. सिंह जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग में रियलटाइम पीसीआर का अनुप्रयोग, स्टेम सेल और चिकित्सा विज्ञान में इसका अनुप्रयोग एवं अगली पीढ़ी के जीनोम अनुक्रमण का परिचय और अनुप्रयोग बिषयो पर अपना व्याख्यान देंगे।

विनिमय कार्यक्रम छात्रों के लिए लाभकारी शैक्षिक अनुभव प्रदान करते हैं, साथ ही छात्रों को अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों से मिलने और उनकी मेजबानी करने का अवसर मिलने से गहरे संबंध बनाने का भी अवसर मिलता है। अपने छात्रों को शैक्षिक दौरे पर विदेश भेजकर, एनडीवीएसयू उन्हें एक नई दुनिया से परिचित होने का और सभी प्रकार के आवश्यक जीवन कौशल को बढ़ावा मौका प्रदान कर रहा है यात्रा वास्तव में छात्रों को दुनिया से निपटने के लिए बेहतर ढंग से तैयार वैश्विक नागरिकों में बदलने का मौका देगी।

एक विदेश यात्रा छात्रों के लिए काफी प्रेरक हो सकती है, जो उन्हें अपनी कक्षाओं में और भी अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। उदाहरण के लिए, एक अलग भाषा जानने की उपयोगिता देखकर, वे अपनी पढ़ाई में और भी अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इसी तरह, यह एक छात्र की यात्रा करने या विश्व स्तर पर अधिक जुड़े रहने की इच्छा को बढ़ावा दे सकता है, जिससे उन्हें काम करने के लिए एक शैक्षिक लक्ष्य मिल सकता है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर